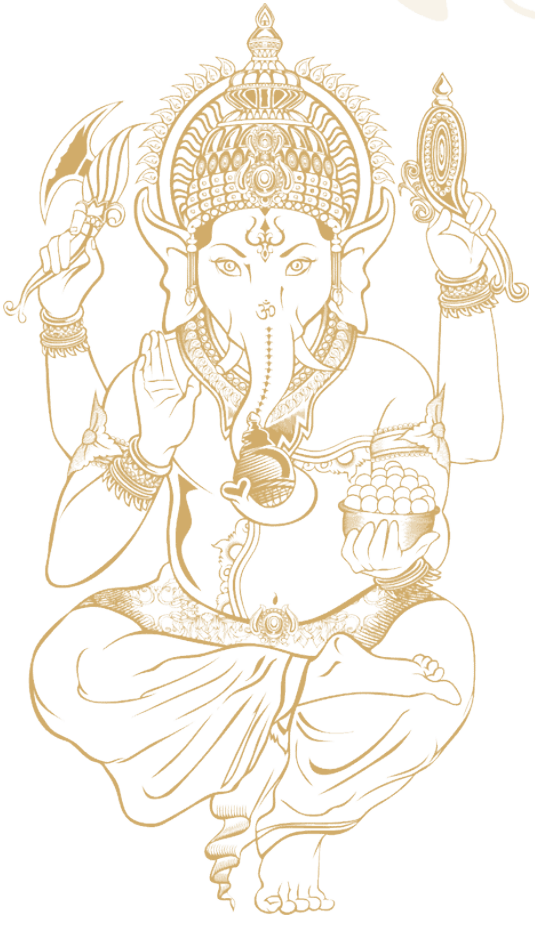

Rahul Agarwal

17 May 1984

04:12 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121760203

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16-17/05/1984**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:12:00 घंटे**
इष्ट	56:51:32 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:52:48 घंटे
वेलान्तर	00:03:41 घंटे
साम्पातिक काल	19:32:06 घंटे
सूर्योदय	05:27:23 घंटे
सूर्यास्त	19:04:08 घंटे
दिनमान	13:36:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	02:35:10 वृष
लग्न के अंश	08:26:47 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशू
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	08:26:47	475:10:03	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
सूर्य			वृष	02:35:10	00:57:47	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	25:12:53	13:31:17	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	नीच राशि
मंगल	व		तुला	25:11:59	00:21:29	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध			मेष	07:26:33	00:47:57	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
गुरु	व		धनु	18:52:11	00:03:10	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र		अ	मेष	24:29:27	01:13:43	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि	व		तुला	18:26:13	00:04:19	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	उच्च राशि
राहु			वृष	12:55:22	00:00:23	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	12:55:22	00:00:23	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		वृश्चि	18:34:48	00:02:21	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
नेप	व		धनु	07:17:35	00:01:15	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	06:24:23	00:01:28	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	27:39:44	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:03

लग्न-चलित

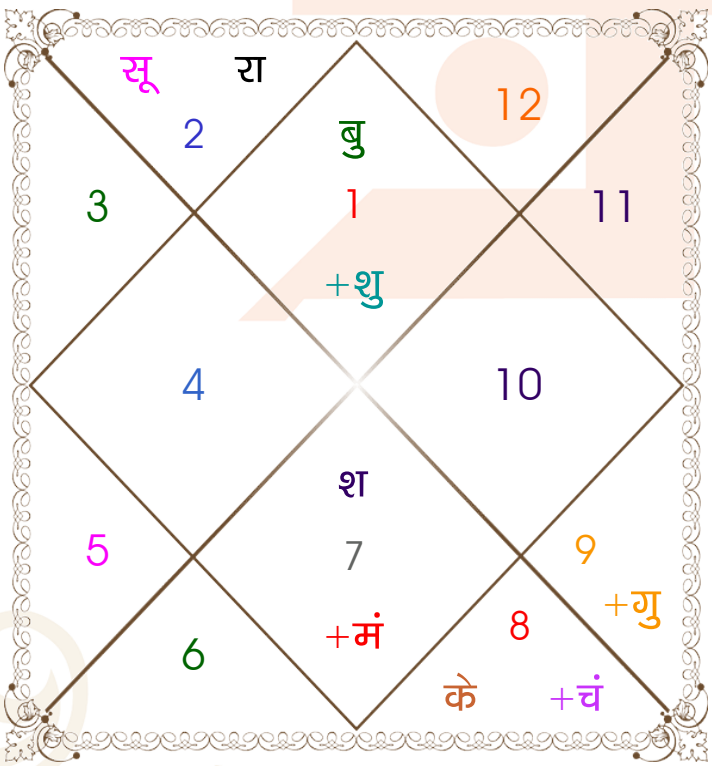

चन्द्र कुंडली

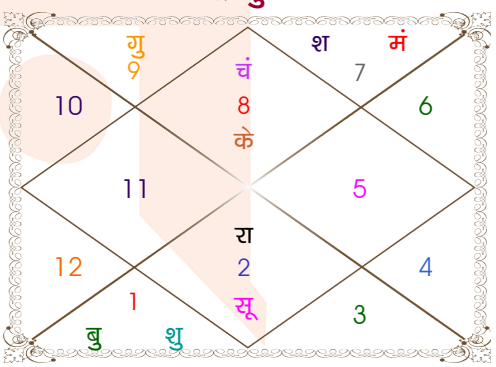

नवमांश कुंडली

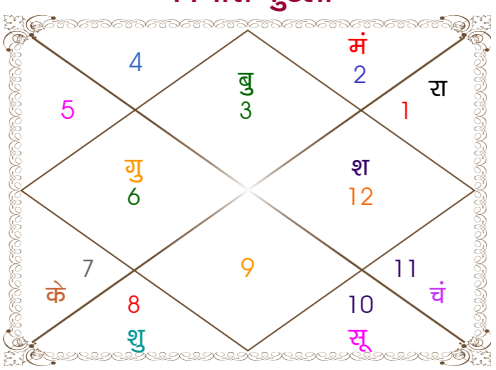

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 1 मास 6 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
17/05/1984		23/06/1990		23/06/1997		23/06/2017		23/06/2023	
23/06/1990		23/06/1997		23/06/2017		23/06/2023		23/06/2033	
	00/00/0000	केतु	19/11/1990	शुक्र	22/10/2000	सूर्य	10/10/2017	चंद्र	23/04/2024
	00/00/0000	शुक्र	19/01/1992	सूर्य	23/10/2001	चंद्र	11/04/2018	मंगल	22/11/2024
	00/00/0000	सूर्य	26/05/1992	चंद्र	23/06/2003	मंगल	17/08/2018	राहु	24/05/2026
	00/00/0000	चंद्र	25/12/1992	मंगल	23/08/2004	राहु	12/07/2019	गुरु	23/09/2027
	00/00/0000	मंगल	23/05/1993	राहु	23/08/2007	गुरु	29/04/2020	शनि	23/04/2029
	17/05/1984	राहु	11/06/1994	गुरु	23/04/2010	शनि	11/04/2021	बुध	22/09/2030
राहु	08/07/1985	गुरु	18/05/1995	शनि	23/06/2013	बुध	15/02/2022	केतु	24/04/2031
गुरु	14/10/1987	शनि	26/06/1996	बुध	23/04/2016	केतु	23/06/2022	शुक्र	22/12/2032
शनि	23/06/1990	बुध	23/06/1997	केतु	23/06/2017	शुक्र	23/06/2023	सूर्य	23/06/2033

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
23/06/2033		23/06/2040		23/06/2058		23/06/2074		23/06/2093	
23/06/2040		23/06/2058		23/06/2074		23/06/2093		00/00/0000	
मंगल	19/11/2033	राहु	06/03/2043	गुरु	10/08/2060	शनि	26/06/2077	बुध	20/11/2095
राहु	08/12/2034	गुरु	29/07/2045	शनि	22/02/2063	बुध	05/03/2080	केतु	16/11/2096
गुरु	13/11/2035	शनि	04/06/2048	बुध	30/05/2065	केतु	14/04/2081	शुक्र	17/09/2099
शनि	22/12/2036	बुध	23/12/2050	केतु	05/05/2066	शुक्र	14/06/2084	सूर्य	24/07/2100
बुध	19/12/2037	केतु	10/01/2052	शुक्र	03/01/2069	सूर्य	26/05/2085	चंद्र	24/12/2101
केतु	18/05/2038	शुक्र	10/01/2055	सूर्य	23/10/2069	चंद्र	26/12/2086	मंगल	21/12/2102
शुक्र	18/07/2039	सूर्य	05/12/2055	चंद्र	22/02/2071	मंगल	04/02/2088	राहु	18/05/2104
सूर्य	23/11/2039	चंद्र	05/06/2057	मंगल	29/01/2072	राहु	11/12/2090		00/00/0000
चंद्र	23/06/2040	मंगल	23/06/2058	राहु	23/06/2074	गुरु	23/06/2093		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 1 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

जिस समय आपका जन्म हुआ, उस समय पूर्वी क्षितिज पर अश्विनी नक्षत्र के तृतीय चरण में मेष लग्न उदित था। परिणाम स्वरूप जन्मकाल मिथुन नवमांश एवं मेष के द्रेष्काण के प्रभाव से आप का जन्म लग्न प्रभावित था।

आप में व्यक्तिगत रूप से कई कार्यों को एक साथ संचालित करने की क्षमता है, और आप कोई भी कार्य पूर्ण रूपेण आश्वस्त होकर संपादित करते हैं। आप उच्चकोटि के महत्वाकांक्षी, व्यक्ति हैं। आप अपने उद्येश्यित महत्वपूर्ण बिंदुओं को कार्य रूप देकर कार्यान्वित कर लेने में लगन लगाते हैं। आप में यह वरदान स्वरूप विशिष्टता विद्यमान है कि आत्मबल के सहारे अपने कार्य को संपादन कर लेते हैं। परंतु आप में छोटी सी बातों में भी अड़चन लगाने की प्रवृत्ति विद्यमान है। अर्थात् किसी भी असाधारण बातों को द्वन्द्वात्मक बना देते हैं।

आप किसी कार्य का आरंभ विद्युत गति से करते हैं। परंतु अकस्मात् बीच में ही कार्य को रोक कर अपने मार्ग को बदलने पर पुनर्विचार करने लगते हैं। यदि आप कोई सशक्त निर्णय लेकर और पूरी तन्मयता से कार्य को कार्य रूप दें तो निश्चित रूप से आप किसी भी कार्य में सफल हो जाएंगे।

वास्तव में आप विशुद्ध आत्मा (हृदय) के प्राणी हैं। आपके हृदय में किसी प्रकार की कलुषता नही रहती है। आप चाहते हैं कि आज तक की परिस्थितियों की जानकारी प्राप्त कर नेतृत्व करें आप किसी दूसरे व्यक्ति का निर्देशों का अनुपालन नहीं करतें। यद्यपि आप यह चाहते है कि किसी भी व्यक्ति पर अपनी छाप (चिह्न) स्थापित करें तथापि यदा-कदा आप अपनी राय सभी कार्यों में प्रदान कर अपना प्रभाव कायम करने के लिए तत्पर रहते हैं। वास्तव में कोई भी व्यक्ति अच्छी राय आपसे प्राप्त कर आपसे प्रभावित हो जाता है।

आप अपने शत्रुओं से निर्भय रहते हैं। दुर्भाग्यवश यदि किसी शत्रु से आपको मुकाबला करना पड़ जाए और आपके साथ कोई षड्यंत्र करे तो आप वर्त्तमान कालिक परिस्थिति का मुकाबला पूरी शक्ति से एवं अपने निर्णय के अनुसार कूटनीतिक व्यवहार से उसके साथ पेश आते हैं।

अश्विनी नक्षत्र के प्रभावानुसार आप पूर्ण सशक्त एवं शक्ति संपन्न व्यक्तित्व की संपन्नता से धन प्राप्त करने की क्षमता रखते है। आपकी उन्नत ललाट और प्रभावक दृष्टि आपके अन्तः करण की सूचना प्रकट करता हैं आप में ऐसी क्षमता है कि आपके संपर्क में जो व्यक्ति आता है। उस पर आपका पूर्ण प्रभाव एवं अच्छी छाप पड़ती है। आप अधिक धन संचय करने के संबंध में लालची भी हैं। आपको अपने भाई के साथ कोई विवाद हो जाए और आप उलझ जाएं यह संभव है। अन्यथा आपका पारिवारिक जीवन सुंदर रहेगा। आपके जीवन का मुख्य दायीत्व पारिवारिक समस्या है। आप बेसुध हो कर, हर क्षण अपने परिवार के लाभ के लिए कुछ न कुछ करते रहने के संबंध में चिंतनशील रहा करते हैं, क्योंकि संपूर्ण परिवार का दायीत्व आपके कंधे पर है, अर्थात पूरे परिवार का विकास और विस्तार के लिए आप ही अभिभावक के रूप में जिम्मेदार हैं। परंतु आप अपने शब्द जाल में अधिकांश लोगों को फंसा

लेते है परंतु आप किसी भी दशा में अपने स्तर से गिर नहीं पाते। आपके स्वभाव के अनुसार जेल अधिकारी पद पर आपकी नियुक्ति उपयुक्त है। अन्यथा आप पुलिस विभाग या रेलवे अधिकारी भी हो सकते हैं।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परंतु आपको यह निर्देश दिया जाता है कि अपने पारिवारिक चिकित्सक से सिरोवेदना या मस्तिष्क रोग से सावधानी कैसे बरती जाय इसके संबंध में परामर्श ले लें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भविष्य के लिए उन्नति कारक एवं आकर्षक अंक 9 एवं 1 अंक होगा। जबकि आपके लिए अनुकूल अंक 4 एवं 8 अंक होगा। 6 एवं 7 अंक आपके लिए अच्छा प्रभाव देने वाला नहीं है।

आपके जीवन के लिए पीला, स्वर्णिम एवं लाल रंग व्यवहारिक एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।